

हमिस्खलन

हाल ही में सकिक्मि के नाथू ला में भीषण **हमिस्खलन (Avalanche)** की घटना हुई।

हमिस्खलन:

■ परचिय:

- हमिस्खलन का आशय पर्वत या ढलान से नीचे **अचानक हमि, बर्फ और मलबे का तीव्र प्रवाह** से है।
- यह भारी बर्फबारी, तीव्र तापमान परिवर्तन या मानव गतिविधि जैसे विभिन्न कारकों के कारण हो सकता है।
- हमिस्खलन की संभावना वाले कई क्षेत्रों में **वर्षिषज्ज दल मौजूद होते हैं जो विभिन्न तरीकों जैसे- वस्फोटक, बर्फ अवरोधक और अन्य सुरक्षा उपायों का उपयोग करके हमिस्खलन के जोखिमों** की नगिरानी एवं नियंत्रण करते हैं।

■ प्रकार:

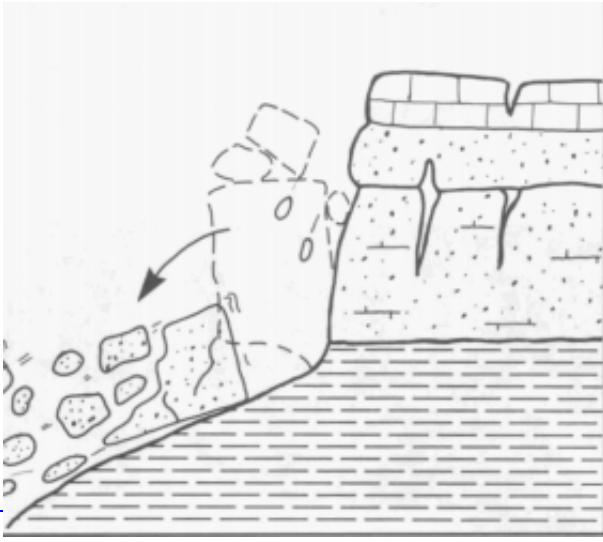
- चट्टानी हमिस्खलन (जसिमें टूटे हुए चट्टान के बड़े खंड होते हैं),
- हमिस्खलन (जो सामान्यतः ग्लेशियर के आसपास के क्षेत्र में होता है),
- मलबा हमिस्खलन (जसिमें कई प्रकार की असंबद्ध सामग्री होती है, जैसे चट्टान और मृदा)।

■ कारण:

- **मौसम की स्थिति:** भारी बर्फबारी, तेज़ी से तापमान परिवर्तन, तीव्र हवाएँ और बारिश सभी हमिस्खलन की स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं।
- **ढलान की स्थिति:** ढलान की तीव्रता, **अभिविन्यास और आकार हमिस्खलन की संभावना** को बढ़ा सकता है। उत्तल आकार के साथ खड़ी ढलान वाले क्षेत्र में विशेष रूप से हमिस्खलन की संभावना होती है।
- **सुनोपैक की स्थिति:** सुनोपैक की संरचना और स्थिरता भी हमिस्खलन की **स्थिति में योगदान दे सकती है।** सुनोपैक के भीतर हमि या बर्फ की कमजोर परतें इसके गरिने एवं हमिस्खलन को प्रेरित करने का कारण बन सकती हैं।
- **मानवीय गतिविधि:** स्कीयरस, सुनोमोबाइलरस और अन्य मनोरंजन करने वालों द्वारा ढलान पर की जाने वाली गतिविधियों से हमिस्खलन की घटना हो सकती है।
- **प्राकृतिक घटनाएँ:** भूकंप, ज्वालामुखी वस्फोट और पहाड़ों के टूटने आदि से भी हमिस्खलन की घटना हो सकती है।

हमिस्खलन और भूस्खलन में भिन्नता:

- भूस्खलन और हमिस्खलन दोनों ही बड़ी गतिविधियाँ हैं, लेकिन उनका परिधि और कारक भिन्न होता है।
- हमिस्खलन किसी पहाड़ अथवा ढलान से नीचे बर्फ और मलबे का एक तेज़ प्रवाह है, जबकि **भूस्खलन किसी ढलान से नीचे चट्टान या मलबे का संचलन है।**
- हमिस्खलन आमतौर पर भारी बर्फबारी और लंबवत ढलान वाले पहाड़ी इलाकों में होता है। दूसरी ओर भूस्खलन विभिन्न प्रकार के वातावरण में हो सकता है और **इसकी शुरुआत भारी वर्षा, भूकंप, ज्वालामुखीय गतिविधि अथवा मानवीय गतिविधि जैसे विभिन्न कारकों से हो सकती है।**
- हमिस्खलन और भूस्खलन दोनों ही संभावित रूप से खतरनाक एवं घातक हो सकते हैं तथा उनसे बचने के लिये आवश्यक सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है।



आपदा प्रबंधन हेतु भारत के प्रयास:

- **राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की स्थापना:**
 - भारत का **राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF)** आपदा प्रतिक्रिया के लिये समर्पित विश्व का सबसे बड़ा तीव्र प्रतिक्रिया बल है जिसकी सहायता से भारत ने सभी प्रकार की आपदाओं के प्रभावों को तेज़ी से कम किया है।
- **वर्देशी आपदा राहत के रूप में भारत की भूमिका:**
 - भारतीय सैन्य संसाधन अब देश की अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता का एक बड़ा हिस्सा हैं, राहत आपूर्ति आमतौर पर नौसेना के जहाज़ों अथवा विमानों द्वारा भेजी जाती है।
 - "नेबरहुड फ़र्स्ट" की अपनी कूटनीतिक रणनीतिके अनुसार, सहायता प्राप्तकरता कई देश दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के हैं।
- **क्षेत्रीय आपदा तैयारी में योगदान:**
 - **बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिये बंगाल की खाड़ी पहल (बमिस्टेक)** के संदर्भ में भारत ने कई आपदा प्रबंधन अभ्यासों की मेज़बानी की है जो NDRF साझेदार राज्यों के साथ विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिये विकसित तकनीकों का प्रदर्शन करेगा।
- **जलवायु परिवर्तन संबंधी आपदा प्रबंधन:**
 - भारत ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण, सतत विकास लक्ष्यों (वर्ष 2015-2030) और **जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के लिये सैंदाई फ़रेमवर्क (Sendai Framework for Disaster Risk Reduction)** को अपनाया है, जो सभी DRR, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (Climate Change Adaptation-CCA) एवं सतत विकास के मध्य संबंध को स्पष्ट करते हैं।

नाथू ला के प्रमुख तथ्य:

- नाथू ला, विश्व की सबसे ऊँची मोटर परिवहन सड़कों में से एक है, जो भारत-तिब्बत सीमा पर समुद्र तल से 14450 फीट की ऊँचाई पर स्थित हिमालय की चोटियों में स्थित एक पहाड़ी दर्रा है।
- नाथू का अर्थ है 'सुनने वाले कान' और ला का अर्थ है 'पास'।
- यह भारत और चीन के बीच एक खुली व्यापारिक सीमा चौकी है।
- सikkim राज्य में स्थित अन्य दर्रे **जेलेप ला दर्रा, डोंकिया दर्रा, चविभंजंग दर्रा** हैं।



भारत के अन्य महत्त्वपूर्ण दर्रे:

दर्रा	कसिसे-कसिको जोड़ता है?/वशिषताएँ
1. बनहिल दर्रा	कश्मीर घाटी को बाह्य हिमालय और दक्षिण में मैदानी इलाकों के साथ।
2. बारा-लाचा-ला दर्रा	हिमाचल प्रदेश के लाहौल को लेह ज़िले से।
3. फोटू-ला दर्रा	लेह को कारगल से।
4. रोहतांग दर्रा	कुल्लू घाटी को हिमाचल प्रदेश की लाहौल और स्पीती घाटी से।
5. शपिकी ला दर्रा	हिमाचल प्रदेश को तबिबत के स्वायत्त क्षेत्र से।
6. जेलेप ला दर्रा	सकिकमि को तबिबत के स्वायत्त क्षेत्र से।
7. नाथू ला दर्रा	सकिकमि को तबिबत के स्वायत्त क्षेत्र से।
8. लपिलेख दर्रा	भारत की चौड़न घाटी को तबिबत के स्वायत्त क्षेत्र से। यह उत्तराखंड, चीन और नेपाल के ट्राई-जंक्शन पर स्थिति है।

9. खार्दुंग ला	लद्दाख को सियाचिनि ग्लेशियर से। यह वशिव का सबसे ऊँचा मोटर वाहन योग्य दररा है।
10. बोम-डल्ला दररा	यह अरुणाचल परदेश में है।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/avalanche>

